इको टास्क फोर्स, कुफरी, और भा.वा.अ.शि.प.-हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा संयुक्त रूप से कुफरी, शिमला में आयोजित कार्यशाला सह क्षमता निर्माण कार्यक्रम पर रिपोर्ट

Report on workshop cum capacity building programme organized by Eco Task Force, Kufri and ICFRE-HFRI Shimla jointly at Kufri, Shimla

Eco Task Force and ICFRE-HFRI Shimla jointly organized workshop cum capacity building programme on Stabilizing Landslide and Flash Flood-Affected Terrains in Himachal Pradesh on 16th September, 2025 at Kufri Army Camp, Shimla with aim to address climate change impacts and enhance environmental practices in the fragile Himalayan regions of Himachal Pradesh. The Eco Task Force personnel were the participants of the programme and they were apprised & trained about sustainable, eco-friendly techniques to improve plant growth and protect against diseases. Dr. Sandeep Sharma, Director-incharge of ICFRE-HFRI, emphasized integrated plant management through bioremediation-focused efforts to ensure long-term ecological stability. Dr. Ashwani Tapwal, Scientist, explained how Mycorrhizal fungus consortiums can boost plant survival rates. Dr. Pravin Rawat highlighted the importance of fodder fencing to prevent cattle grazing and reduce forest fires. Col. Deepak Kumar, Commanding Officer of the 133 Eco Task Force, underscored the need for diverse, high-density plantations to enhance soil stability in the Himalayan terrain. HFRI scientists also conducted a field visit to inspect the Eco Task Force's nursery operations at Battalion Headquarters; Kufri suggested some recommendations for improvement of planting stock. At the end detailed discussion was held and all queries of ETF personnel were addressed.

.

GYM HALL

GYM HALL

GYM HALL

भूस्खलन और अचानक बाढ़ की स्थिति से निपटने का दिया प्रशिक्षण

अर्थ प्रकाश संवाददाता

शिमला। हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान (एचएफआरआई) और ईको टास्क फोर्स ने आज शिमला के कुफरी आर्मी कैंप में एक दिवसीय कार्यशाला, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया। इसका उद्देश्य राज्य के संवेदनशील हिमालयी क्षेत्रों में भूस्खलन और अचानक बा? की स्थिति के प्रभाव को कम करना तथा जलवायु अनुकूल पर्यावरणीय उपायों को ब?ावा देना था। इस कार्यक्रम में 50 से अधिक ईको टास्क फोर्स के जवानों ने भाग लिया।

कार्यशाला में टिकाऊ वनीकरण तकनीकों पर बल दिया गया तथा विशेष रूप से नर्सरियों में मायकोराइजल फफूंद के उपयोग पर चर्चा की गई, जिससे पौधों को पानी और पोषक तत्व बेहतर ढंग से मिलते हैं। यह तकनीक खासकर 80-85 डिग्री तक की ख?ी ढलानों पर कारगर मानी जाती है जहां नमी और पोषक तत्वों की कमी के कारण पौधे लंबे समय तक जीवित नहीं रह पाते।

133 ईको टास्क फोर्स के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल दीपक कुमार ने भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में विविध और घनी वृक्षारोपण की जरूरत पर बल दिया ताकि मिट्टी को मजबूती मिल सके। एचएफआरआई के वैज्ञानिकों ने बटालियन मुख्यालय, कुफरी में ईको टास्क फोर्स की नर्सरी का निरीक्षण किया।

तक की ढलानों पर नमी व पोषक तत्वों की कमी के कारण पौधे कम समय में सूख जाते हैं। इस तकनीक

बटालियन मुख्यालय कुफरी स्थित नर्सरी का भी दौरा कर संचालन में सुधार के सुझाव दिए।

भूस्खलन व अचानक बाढ़ की स्थिति से निपटने पर कार्यशाला आयोजित

टीम एक्शन इंडिया

शिमला। हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान (एचएफआरआई) और ईको टास्क फोर्स ने आज शिमला के कुफरी आर्मी कैंप में एक दिवसीय कार्यशाला, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया। इसका उद्देश्य राज्य के संवेदनशील हिमालयी क्षेत्रों में भूस्खलन और अचानक बाढ़ की स्थिति के प्रभाव को कम करना तथा जलवायु अनुकूल पर्यावरणीय उपायों को बढ़ावा देना था। इस कार्यक्रम में 50 से अधिक ईको टास्क फोर्स के जवानों ने भाग लिया।

कार्यशाला में टिकाऊ वनीकरण तकनीकों पर बल दिया गया तथा विशेष रूप से नर्सरियों में मायकोराइजल फफूंद के उपयोग पर चर्चा की गई, जिससे पौधों को पानी और पोषक तत्व बेहतर ढंग से मिलते हैं। यह तकनीक खासकर 80–85 डिग्री तक की खड़ी ढलानों पर कारगर मानी जाती है जहां नमी और पोषक तत्वों की कमी के कारण पौधे लंबे समय तक जीवित नहीं रह पाते। 133 ईको टास्क फोर्स के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल दीपक कुमार ने भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में विविध और घनी वृक्षारोपण की जरूरत पर बल दिया।

पंजाब केसरी
THU,18 SEPTEMBER 2025
EDITION: SHIMLA KESARI, PAGE NO. 3

शिमला : कार्यशाला, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम में भाग लेते प्रतिभागी। (नरेश)

भूस्खलन व अचानक बाढ़ की स्थिति से निपटने पर कार्यशाला आयोजित

शिमला, 17 सितम्बर (ब्यूरो): 133 ईको टास्क फोर्स के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल दीपक कुमार ने भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में विविध और घने वृक्षारोपण की जरूरत पर बल दिया, ताकि मिट्टी को मजबूती मिल सके।

यह बात उन्होंने बुधवार को हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान (एच.एफ.आर.आई.) और ईको टास्क फोर्स द्वारा कुफरी आर्मी कैंप में आयोजित एकदिवसीय कार्यशाला, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही।

इस कार्यशाला का उद्देश्य राज्य के संवेदनशील हिमालयी क्षेत्रों में भूस्खलन और अचानक बाढ़ की स्थिति के प्रभाव को कम करना तथा जलवायु अनुकूल पर्यावरणीय उपायों को बढ़ावा देना था। इस कार्यक्रम में 50 से अधिक ईको टास्क फोर्स के जवानों ने भाग लिया।

ईको टास्क फोर्स के जवानों ने सर्वोत्तम पर्यावरणीय उपाय अपनाने, कार्बन फुटप्रिंट घटाने, जैव विविधता को बढ़ावा देने और स्थानीय समुदायों को संरक्षण कार्यों में शामिल करने का संकल्प लिया। इस पहल से क्षेत्र की 100 हैक्टेयर से अधिक बंजर भूमि को लाभ मिलने की उम्मीद है।

भूस्खलन और अचानक बाढ़ की स्थिति से निपटने का दिया प्रशिक्षण

अर्थ प्रकाश संवाददाता

शिमला। हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान (एचएफआरआई) और ईको टास्क फोर्स ने आज शिमला के कुफरी आर्मी कैंप में एक दिवसीय कार्यशाला, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया। इसका उद्देश्य राज्य के संवेदनशील हिमालयी क्षेत्रों में भूस्खलन और अचानक बा? की स्थिति के प्रभाव को कम करना तथा जलवायु अनुकूल पर्यावरणीय उपायों को ब?ावा देना था। इस कार्यक्रम में 50 से अधिक ईको टास्क फोर्स के जवानों ने भाग लिया।

कार्यशाला में टिकाऊ वनीकरण तकनीकों पर बल दिया गया तथा विशेष रूप से नर्सरियों में मायकोराइजल फफूंद के उपयोग पर चर्चा की गई, जिससे पौधों को पानी और पोषक तत्व बेहतर ढंग से मिलते हैं। यह तकनीक खासकर 80-85 डिग्री तक की ख?ी ढलानों पर कारगर मानी जाती है जहां नमी और पोषक तत्वों की कमी के कारण पौधे लंबे समय तक जीवित नहीं रह पाते।

133 ईको टास्क फोर्स के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल दीपक कुमार ने भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में विविध और घनी वृक्षारोपण की जरूरत पर बल दिया ताकि मिट्टी को मजबूती मिल सके। एचएफआरआई के वैज्ञानिकों ने बटालियन मुख्यालय, कुफरी में ईको टास्क फोर्स की नर्सरी का निरीक्षण किया।

हिमालयी क्षेत्रों में घने पौधारोपण से मिट्टी में आएगी स्थिरता

- हिमालयी क्षेत्र में भूस्खलन से प्रभावित इलाकों में स्थिरता लाने पर कार्यशाला में किया मंथन
- माइकोराइजल फंगस से खड़ी ढलानों पर भी जीवित रहेंगे रोपे गए पौधे, आएंगे बेहतर परिणाम

जागरण संवाददाता, शिमला : हिमालयी क्षेत्रों में बाढ़ व भूस्खलन की घटनाएं अब आम हो गई हैं। हिमाचल सहित जम्मू एवं कश्मीर और उत्तराखंड में हर वर्ष इन घटनाओं के कारण सैकड़ों लोगों की जानें जा रही हैं। हजारों लोग बेघर हो रहे हैं और करोड़ों रुपये की संपत्ति तबाह हो रही है। इन घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए बुधवार को शिमला के कुफरी में कार्यशाला के दौरान मंथन किया गया। हिमालयन फारेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट और ईको टास्क फोर्स की ओर से यह कार्यशाला करवाई गई। इसमें यह निष्कर्ष निकला कि इस तरह की घटनाओं से बचने के लिए हिमालयी क्षेत्रों में घने पौधारोपण की आवश्यकता है, ताकि मिट्टी में स्थिरता आए और इन घटनाओं पर अंकुश लग पाए।

कार्यशाला में ईको टास्क फोर्स के जवानों को पौधों की बेहतर वृद्धि और रोगों से सुरक्षा के लिए सतत व पर्यावरण हितैषी तकनीकों का प्रशिक्षण दिया। एचएफआरआइ के विज्ञानियों ने माइकोराइजल फंगस के प्रयोग पर जानकारी दी। वन विभाग द्वारा आवंटित 80-85 डिग्री तक की ढलानों पर नमी व पोषक तत्वों की कमी के कारण पौधे कम समय में सूख जाते हैं। इस तकनीक से पौधारोपण का जीवित रहने का प्रतिशत बढ़ेगा। एचएफआरआइ के विज्ञानी डा. अश्वनी टपवाल ने माइकोराइजल फंगस कंसोर्टियम की उपयोगिता समझाई। वहीं डा. प्रवीन रावत ने पशुओं की चराई रोकने और मानवजनित जंगल की आग को कम करने के लिए चारे की बाड़बंदी (फाडर फेंसिंग) को आवश्यक बताया। निदेशक डा. संदीप शर्मा ने बायोरिमेडिएशन आधारित एकीकृत पौध प्रबंधन को दीर्घकालिक पारिस्थितिक स्थिरता के लिए जरूरी बताया।

133 ईको टास्क फोर्स के कमांडिंग आफिसर कर्नल दीपक कुमार ने हिमालयी भू-भाग की स्थिरता के लिए विविधतापूर्ण और घने पौधारोपण पर जोर दिया। इस दौरान एचएफआरआइ टीम ने बटालियन मुख्यालय कुफरी स्थित नर्सरी का भी दौरा कर संचालन में सुधार के सुझाव दिए।

पंजाब केसरी
THU,18 SEPTEMBER 2025
EDITION: SHIMLA KESARI, PAGE NO. 3

शिमला : कार्यशाला, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम में भाग लेते प्रतिभागी। (नरेश)

भूस्खलन व अचानक बाढ़ की स्थिति से निपटने पर कार्यशाला आयोजित

शिमला, 17 सितम्बर (ब्यूरो): 133 ईको टास्क फोर्स के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल दीपक कुमार ने भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में विविध और घने वृक्षारोपण की जरूरत पर बल दिया, ताकि मिट्टी को मजबूती मिल सके।

यह बात उन्होंने बुधवार को हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान (एच.एफ. आर.आई.) और ईको टास्क फोर्स द्वारा कुफरी आर्मी कैंप में आयोजित एकदिवसीय कार्यशाला, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही।

इस कार्यशाला का उद्देश्य राज्य के संवेदनशील हिमालयी क्षेत्रों में भूस्खलन और अचानक बाढ़ की स्थिति के प्रभाव को कम करना तथा जलवायु अनुकूल पर्यावरणीय उपायों को बढ़ावा देना था। इस कार्यक्रम में 50 से अधिक ईको टास्क फोर्स के जवानों ने भाग लिया।

ईको टास्क फोर्स के जवानों ने सर्वोत्तम पर्यावरणीय उपाय अपनाने, कार्बन फुटप्रिंट घटाने, जैव विविधता को बढ़ावा देने और स्थानीय समुदायों को संरक्षण कार्यों में शामिल करने का संकल्प लिया। इस पहल से क्षेत्र की 100 हैक्टेयर से अधिक बंजर भूमि को लाभ मिलने की उम्मीद है।

भूस्खलन व अचानक बाढ़ की स्थिति से निपटने पर कार्यशाला आयोजित

टीम एक्शन इंडिया

शिमला। हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान (एचएफआरआई) और ईको टास्क फोर्स ने आज शिमला के कुफरी आर्मी कैंप में एक दिवसीय कार्यशाला, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया। इसका उद्देश्य राज्य के संवेदनशील हिमालयी क्षेत्रों में भूस्खलन और अचानक बाढ़ की स्थिति के प्रभाव को कम करना तथा जलवायु अनुकूल पर्यावरणीय उपायों को बढ़ावा देना था। इस कार्यक्रम में 50 से अधिक ईको टास्क फोर्स के जवानों ने भाग लिया।

कार्यशाला में टिकाऊ वनीकरण तकनीकों पर बल दिया गया तथा विशेष रूप से नर्सरियों में मायकोराइजल फफूंद के उपयोग पर चर्चा की गई, जिससे पौधों को पानी और पोषक तत्व बेहतर ढंग से मिलते हैं। यह तकनीक खासकर 80-85 डिग्री तक की खड़ी ढलानों पर कारगर मानी जाती है जहां नमी और पोषक तत्वों की कमी के कारण पौधे लंबे समय तक जीवित नहीं रह पाते। 133 ईको टास्क फोर्स के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल दीपक कुमार ने भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में विविध और घनी वृक्षारोपण की जरूरत पर बल दिया।